‘ऑपरेशन ओलिविया’ (Operation Olivia)

sanskritiias.com/hindi/pt-cards/operation-olivia

- ‘ऑपरेशन ओलिविया’ **भारतीय तटरक्षक बल द्वारा ओडिशा तट पर संचालित एक परियोजना** है, जिसकी शुरुआत 1980 के दशक में हुई थी। यह ऑपरेशन **लुप्तप्राय ओलिव रिडले समुद्री कछुओं की रक्षा करने में मदद** करता है, जो नवंबर से दिसंबर के मध्य प्रजनन के लिये एकत्र होते हैं।
- भारतीय तटरक्षक बल तेज़ गश्ती विमानों, इंटरसेप्टर क्राफ्ट तथा डोर्नियर विमान की सहायता से नवंबर से मई तक इन कछुओं की सुरक्षा निगरानी करते हैं। **‘उड़ीसा समुद्री मात्स्यिकी अधिनियम’ तटरक्षक बल को एक प्रवर्तन एजेंसी के रूप में सशक्त** बनाता है।
- ओलिव रिडले कछुए मुख्यतः प्रशांत, अटलांटिक तथा हिंद महासागर में पाए जाते हैं। **ओडिशा का गहिरमाथा समुद्री अभयारण्य विश्व में समुद्री कछुओं का सबसे बड़ा प्रजनन स्थल** है। ये कछुए भोजन व प्रजनन के लिये हज़ारों किमी. की दूरी तय करते हैं। ओलिव रिडले (Lepidochelys olivacea) को आई.यू.सी.एन. की रेड लिस्ट में सुभेद्य (Vulnerable) श्रेणी के अंतर्गत सूचीबद्ध किया गया है।
- समुद्री कछुओं तथा उनके आवास के संरक्षण के संबंध में जागरूकता का प्रसार करने के लिये **प्रत्येक वर्ष 16 जून को ‘विश्व समुद्री कछुआ दिवस’ का आयोजन** किया जाता है। कछुए भारत के तटीय राज्यों ओडिशा, चेन्नई तथा महाराष्ट्र में पाए जाते हैं।
- भारत में पाए जाने वाली समुद्री कछुओं की पाँचों प्रजातियों को भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची-I तथा वन्यजीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर अभिसमय की परिशिष्ट I में शामिल किया गया है।

IAS / PCS
Online Video Course
सामान्य अध्ययन
+
वैकल्पिक विषय
(इतिहास एवं भूगोल)
15% Discount for
Next 500 Students
Online
Learning
Programme
JOIN NOW

IAS / PCS
Pendrive Course
सामान्य अध्ययन
+
वैकल्पिक विषय
(इतिहास एवं भूगोल)
15% Discount for Next
500 Students